रविवार 11 अक्टूबर, 2020

विषय — क्या पाप, बीमारी और मृत्यु वास्तविक हैं?

स्वर्ण पाठः **भजन संहिता 103 : 1, 3, 4**

"*हेमेरे मन, यहोवा को धन्य कह; वही तो तेरे सब अधर्म को क्षमा करता, और तेरे सब रोगों को चंगा करता है, वही तो तेरे प्राण को नाश होने से बचा लेता है।*"

उत्तरदायी अध्ययन: **यशायाह 12: 2-6**
यशायाह 26: 3, 4

2 परमेश्वर मेरा उद्धार है, मैं भरोसा रखूंगा और न थरथराऊंगा; क्योंकि प्रभु यहोवा मेरा बल और मेरे
भजन का विषय है, और वह मेरा उद्धारकर्ता हो गया है॥
3 तुम आनन्द पूर्वक उद्धार के सोतों से जल भरोगे।
4 और उस दिन तुम कहोगे, यहोवा की स्तुति करो, उस से प्रार्थना करो; सब जातियों में उसके बड़े
कामों का प्रचार करो, और कहो कि उसका नाम महान है॥
5 यहोवा का भजन गाओ, क्योंकि उसने प्रतापमय काम किए हैं, इसे सारी पृथ्वी पर प्रगट करो।
6 हे सिय्योन में बसने वाली तू जयजयकार कर और ऊंचे स्वर से गा, क्योंकि इस्राएल का पवित्र तुझ में
महान है॥
3 जिसका मन तुझ में धीरज धरे हुए हैं, उसकी तू पूर्ण शान्ति के साथ रक्षा करता है, क्योंकि वह तुझ पर
भरोसा रखता है।
4 यहोवा पर सदा भरोसा रख, क्योंकि प्रभु यहोवा सनातन चट्टान है।

पाठ उपदेश

बाइबल

1. **यिर्मयाह 17 : 14**

14 हे यहोवा मुझे चंगा कर, तब मैं चंगा हो जाऊंगा; मुझे बचा, तब मैं बच जाऊंगा; क्योंकि मैं तेरी ही स्तुति
करता हूँ।

इस बाइबल पाठ को प्लेनफील्ड क्रिश्चियन साइंस चर्च, इंडिपेंडेंट द्वारा तैयार किया गया था। यह किंग जेम्स बाइबल से स्क्रिप्चरल कोटेशन से बना है और मैरीक बकरी एड्डी ने क्रिश्चियन साइंस पाठ्यपुस्तक विज्ञान और स्वास्थ्य से कुंजी के साथ शास्त्र के लिए सहसंबद्ध मार्ग लिया है।

2. भजन संहिता 91 : 1-6, 9-11, 14-16

1 जोपरमप्रधान के छाए हुए स्थान में बैठा रहे, वह सर्वशक्तिमान की छाया में ठिकाना पाएगा।
2 मैं यहोवा के विषय कहूंगा, कि वह मेरा शरणस्थान और गढ़ है; वह मेरा परमेश्वर है, मैं उस पर भरोसा रखूंगा।
3 वह तो तुझे बहेलिये के जाल से, और महामारी से बचाएगा;
4 वह तुझे अपने पंखों की आड़ में ले लेगा, और तू उसके पैरों के नीचे शरण पाएगा; उसकी सच्चाई तेरे लिये ढाल और झिलम ठहरेगी।
5 तू न रात के भय से डरेगा, और न उस तीर से जो दिन को उड़ता है,
6 न उस मरी से जो अन्धेरे में फैलती है, और न उस महारोग से जो दिन दुपहरी में उजाड़ता है॥
9 हे यहोवा, तू मेरा शरण स्थान ठहरा है। तू ने जो परमप्रधान को अपना धाम मान लिया है,
10 इसलिये कोई विपत्ति तुझ पर न पड़ेगी, न कोई दु:ख तेरे डेरे के निकट आएगा॥
11 क्योंकि वह अपने दूतों को तेरे निमित्त आज्ञा देगा, कि जहां कहीं तू जाए वे तेरी रक्षा करें।
14 उसने जो मुझ से स्नेह किया है, इसलिये मैं उसको छुड़ाऊंगा; मैं उसको ऊंचे स्थान पर रखूंगा, क्योंकि उसने मेरे नाम को जान लिया है।
15 जब वह मुझ को पुकारे, तब मैं उसकी सुनूंगा; संकट में मैं उसके संग रहूंगा, मैं उसको बचा कर उसकी महिमा बढ़ाऊंगा।
16 मैं उसको दीर्घायु से तृप्त करूंगा, और अपने किए हुए उद्धार का दर्शन दिखाऊंगा॥

3. प्रेरितों के काम 4 : 33

33 और प्रेरित बड़ी सामर्थ से प्रभु यीशु के जी उठने की गवाही देते रहे और उन सब पर बड़ा अनुग्रह था।

4. प्रेरितों के काम 5 : 12, 14-16

12 और प्रेरितों के हाथों से बहुत चिन्ह और अद्भुत काम लोगों के बीच में दिखाए जाते थे, (और वे सब एक चित्त होकर सुलैमान के ओसारे में इकट्ठे हुआ करते थे।
14 और विश्वास करने वाले बहुतेरे पुरूष और स्त्रियां प्रभु की कलीसिया में और भी अधिक आकर मिलते रहे।)
15 यहां तक कि लोग बीमारों को सड़कों पर ला लाकर, खाटों और खटोलों पर लिटा देते थे, कि जब पतरस आए, तो उस की छाया ही उन में से किसी पर पड़ जाए।

16 और यरूशलेम के आस पास के नगरों से भी बहुत लोग बीमारों और अशुद्ध आत्माओं के सताए हुओं का ला लाकर, इकट्ठे होते थे, और सब अच्छे कर दिए जाते थे॥

5. प्रेरितों के काम 9 : 36-41

36 याफा में तबीता अर्थात दोरकास नाम एक विश्वासिनी रहती थी, वह बहुतेरे भले भले काम और दान
किया करती थी।
37 उन्हीं दिनों में वह बीमार होकर मर गई; और उन्होंने उसे नहला कर अटारी पर रख दिया।
38 और इसलिये कि लुद्दा याफा के निकट था, चेलों ने यह सुनकर कि पतरस वहां है दो मनुष्य भेजकर उस
ने बिनती की कि हमारे पास आने में देर न कर।
39 तब पतरस उठकर उन के साथ हो लिया, और जब पहुंच गया, तो वे उसे उस अटारी पर ले गए; और
सब विधवाएं रोती हुई उसके पास आ खड़ी हुई: और जो कुरते और कपड़े दोरकास ने उन के साथ रहते
हुए बनाए थे, दिखाने लगीं।
40 तब पतरस ने सब को बाहर कर दिया, और घुटने टेककर प्रार्थना की; और लोथ की ओर देखकर कहा;
हे तबीता उठ: तब उस ने अपनी आंखे खोल दी; और पतरस को देखकर उठ बैठी।
41 उस ने हाथ देकर उसे उठाया और पवित्र लोगों और विधवाओं को बुलाकर उसे जीवित और जागृत
दिखा दिया।

6. 1 कुरिन्थियों 1 : 1 (*से 2nd* ,)

1 पौलुस जो परमेश्वर की इच्छा से यीशु मसीह का प्रेरित होने के लिये बुलाया गया।

7. प्रेरितों के काम 27 : 1 (यह) (*से 1st* ,), 4, 14 (नहीं), 15, 20, 21 (*से 2nd* ,), 22 (मैं)-25, 36, 37, 44 (इसलिए)

1 … यह ठहराया गया, कि हम जहाज पर इतालिया को जाएं।
4 वहां से जहाज खोलकर हवा विरूद्ध होने के कारण हम कुप्रुस की आड़ में होकर चले।
14 … थोड़ी देर में वहां से एक बड़ी आंधी उठी, जो यूरकुलीन कहलाती है।
15 जब यह जहाज पर लगी, तब वह हवा के साम्हने ठहर न सका, सो हम ने उसे बहने दिया, और इसी
तरह बहते हुए चले गए।
20 और जब बहुत दिनों तक न सूर्य न तारे दिखाई दिए, और बड़ी आंधी चल रही थी, तो अन्त में हमारे
बचने की सारी आशा जाती रही।
21 जब वे बहुत उपवास कर चुके, तो पौलुस ने उन के बीच में खड़ा होकर कहा।

22 परन्तु अब मैं तुम्हें समझाता हूं, कि ढाढ़स बान्धो; क्योंकि तुम में से किसी के प्राण की हानि न होगी, केवल जहाज की।
23 क्योंकि परमेश्वर जिस का मैं हूं, और जिस की सेवा करता हूं, उसके स्वर्गदूत ने आज रात मेरे पास आकर कहा।
24 हे पौलुस, मत डर; तुझे कैसर के साम्हने खड़ा होना अवश्य है: और देख, परमेश्वर ने सब को जो तेरे साथ यात्रा करते हैं, तुझे दिया है।
25 इसलिये, हे सज्ज़नों ढाढ़स बान्धो; क्योंकि मैं परमेश्वर की प्रतीति करता हूं, कि जैसा मुझ से कहा गया है, वैसा ही होगा।
36 तब वे सब भी ढाढ़स बान्धकर भोजन करने लगे।
37 हम सब मिलकर जहाज पर दो सौ छिहत्तर जन थे।
44 और बाकी कोई पटरों पर, और कोई जहाज की और वस्तुओं के सहारे निकल जाएं, और इस रीति से सब कोई भूमि पर बच निकले॥

8. प्रेरितों के काम 28 : 1-3, 5, 30, 31

1 जब हम बच निकले, तो जाना कि यह टापू मिलिते कहलाता है।
2 और उन जंगली लोगों ने हम पर अनोखी कृपा की; क्योंकि मेंह के कारण जो बरस रहा था और जाड़े के कारण उन्होंने आग सुलगाकर हम सब को ठहराया।
3 जब पौलुस ने लकिडय़ों का गट्ठा बटोरकर आग पर रखा, तो एक सांप आंच पाकर निकला और उसके हाथ से लिपट गया।
5 तब उस ने सांप को आग में झटक दिया, और उसे कुछ हानि न पहुंची।
30 और वह पूरे दो वर्ष अपने भाड़े के घर में रहा।
31 और जो उसके पास आते थे, उन सब से मिलता रहा और बिना रोक टोक बहुत निडर होकर परमेश्वर के राज्य का प्रचार करता और प्रभु यीशु मसीह की बातें सिखाता रहा॥

विज्ञान और स्वास्थ्य

1. 9 : 9-21

क्रिश्चियन साइंस के फिजिकल हीलिंग अब परिणाम है, यीशु के समय के अनुसार, ईश्वरीय सिद्धांत के संचालन से, इससे पहले कि पाप और बीमारी मानवीय चेतना में अपनी वास्तविकता खो देते हैं और स्वाभाविक रूप से गायब हो जाते हैं और आवश्यक रूप से अंधेरा प्रकाश और पाप को सुधार के लिए जगह देता है। अब, अतीत की तरह, ये शक्तिशाली कार्य अलौकिक नहीं हैं, बल्कि सर्वोच्च प्राकृतिक हैं। वे इमैनुअल, या "भगवान हमारे

साथ है," का संकेत हैं — मानवीय चेतना में मौजूद एक दिव्य प्रभाव और खुद को दोहराते हुए, अब जैसा कि वादा किया गया था, आ रहा है,

कि बन्धुओं को छुटकारे का और
अन्धों को दृष्टि पाने का सुसमाचार
प्रचार करूं और कुचले हुओं को छुड़ाऊं।

2. 165 : 12-2

स्वास्थ्य के तथाकथित शारीरिक नियमों के पालन ने बीमारी की जाँच नहीं की है। रोग कई गुना बढ़ गए हैं, क्योंकि मानव निर्मित भौतिक सिद्धांतों ने आध्यात्मिक सत्य का स्थान ले लिया है।

आप कहते हैं कि अपच, थकान, नींद न आना, परेशान पेट और सिर दर्द। तब आप अपने मस्तिष्क से परामर्श करें ताकि यह याद रखें कि आपको क्या चोट लगी है, जब आपका उपाय पूरी बात को भूल गया है; क्योंकि पदार्थ की अपनी कोई अनुभूति नहीं है, और मानव मन वह सब है जो दर्द पैदा कर सकता है।

3. 430 : 13-20, 27-12

मैं यहां अपने पाठकों के लिए दिव्य मन के कानून और पदार्थ और स्वच्छता के कथित कानूनों के बारे में एक उदाहरण प्रस्तुत करता हूं, एक ऐसा रूपक जिसमें ईसाई विज्ञान की दलील बीमारों को चंगा करती है।

मान लीजिए कि एक मानसिक मामले की सुनवाई चल रही है, क्योंकि मामलों की अदालत में सुनवाई होती है। एक व्यक्ति पर यकृत-शिकायत होने का आरोप लगाया जाता है। रोगी बीमार महसूस करता है, रोता है, और परीक्षण शुरू होता है।

अभियोजन पक्ष के लिए सबूत के लिए बुलाया जा रहा है, एक गवाह इस प्रकार है:

मैं स्वास्थ्य का प्रतिनिधित्व करता हूं। मैं कुछ रातों में मौजूद था जब कैदी, या रोगी, एक बीमार दोस्त के साथ देखता था। यद्यपि मेरे पास मानवीय मामलों का अधीक्षण है, लेकिन मुझे उन अवसरों पर व्यक्तिगत रूप से दुर्व्यवहार किया गया था। मुझे बताया गया कि मुझे इस मुकदमे के लिए तब तक चुप रहना चाहिए, जब मुझे मामले में गवाही देने की अनुमति दी जाएगी। इसके विपरीत मेरे नियमों के बावजूद, कैदी सप्ताह में हर रात बीमारों के साथ देखता था। जब बीमार नश्वर को प्यास लगी, तो कैदी ने उसे पानी पिलाया। इस सभी समय के दौरान कैदी अपने दैनिक मजदूरों के साथ भाग लेते थे, अनियमित अंतराल पर भोजन का हिस्सा होते थे, कभी-कभी भारी भोजन के तुरंत बाद सोने जाते थे। अंत में उसने जिगर की शिकायत की, जिसे मैंने अपराधी माना,

इस अपराध को मृत्यु के साथ दंडनीय माना गया। इसलिए मैंने राज्य (अर्थात, निकाय) की ओर से मॉर्टल मैन को गिरफ्तार किया और उसे जेल में डाल दिया।

4. 432 : 16-19

न्यायाधीश पूछता है कि क्या उसके पड़ोसी का भला करने से, मनुष्य का रोगग्रस्त हो जाना, कानूनों को स्थानांतरित करना और योग्यता को दंडित करना संभव है, और राज्यपाल की मृत्यु दर की पुष्टि होती है।

5. 433 : 18-26, 31-11

न्यायाधीश चिकित्सा तब कैदी पर मौत की सजा का उच्चारण करने के लिए आगे बढ़ती है। क्योंकि वह अपने पड़ोसी से खुद को प्यार करता है, मॉर्टल मैन को पहली डिग्री में परोपकार का दोषी माना गया है, और इसने उसे दूसरे अपराध, यकृत-शिकायत के आयोग में ले लिया है, जो कि भौतिक कानूनों की हत्या के रूप में निंदा करते हैं। इस अपराध के लिए मॉर्टल मैन को तब तक यातना देने की सजा दी जाती है जब तक वह मर नहीं जाता। न्यायाधीश का एकमात्र अधिकार है: "भगवान आपकी आत्मा पर दया करे"।

आह! लेकिन मसीह, सत्य, जीवन की भावना और नश्वर मनुष्य के दोस्त, उन जेल के दरवाजों को चौड़ा कर सकते हैं और बंदी मुक्त स्थापित कर रहे हैं। दिव्य प्रेम के पंखों पर तेजी से, एक घोषणा आती है: "निष्पादन बंद करो; कैदी दोषी नहीं है।" जेल का कमरा विवशता से भर जाता है। कुछ कहते हैं, "यह कानून और न्याय के विपरीत है।" दूसरे लोग कहते हैं, "मसीह का कानून हमारे कानूनों को तोड़ देता है, आइए हम मसीह का अनुसरण करें।"

बहुत बहस और विरोध के बाद, कोर्ट ऑफ स्पिरिट में मुकदमे के लिए अनुमति प्राप्त की जाती है, जहां क्रिश्चियन साइंस को दुर्भाग्यपूर्ण कैदी के लिए वकील के रूप में उपस्थित होने की अनुमति है।

6. 434 : 17-23

वकील का बयाना, गंभीर आँखें, आशा और जीत के साथ दयालु, ऊपर की ओर देखो। फिर क्रिश्चियन साइंस सर्वोच्च ट्रिब्यूनल में अचानक बदल जाता है, और बचाव के लिए तर्क खोलता है: —

बार में कैदी को अनुचित तरीके से सजा सुनाई गई है। उनका मुकदमा एक त्रासदी था, और नैतिक रूप से अवैध है।

7. 435 : 19-23, 31-35

एक प्यार के अभ्यास में कि "कानून की पूर्णता है," — दूसरों के लिए "जैसा कि आप चाहते हैं कि वे आपके लिए करें," — यह कानून का कोई उल्लंघन नहीं है, बिना किसी मांग के, मानव या परमात्मा, इसे सिर्फ एक आदमी को उचित रूप से कार्य करने के लिए दंडित करता है।

एकमात्र अधिकार क्षेत्र जिसे कैदी को प्रस्तुत किया जा सकता है, वह है सत्य, जीवन और प्रेम। यदि वे उसकी निंदा नहीं करते हैं, तो न तो न्यायाधीश चिकित्सा उसकी निंदा करेगा; और मैं पूछता हूं कि कैदी को उस स्वतंत्रता के लिए बहाल किया जाना चाहिए जिससे वह अन्याय से वंचित रहा है।

8. 437 : 32-7

वकील, क्रिश्चियन साइंस, फिर सर्वोच्च क़ानून-पुस्तक, बाइबल से पढ़ा, मनुष्य के अधिकारों पर कुछ अर्क, टिप्पणी करते हुए कि बाइबल ब्लैकस्टोन से बेहतर अधिकार थी: —

हम मनुष्य को अपने स्वरूप के अनुसार अपनी समानता में बनाएं; और वे अधिकार रखें।
देखो, मैने तुम्हे की सारी सामर्थ पर अधिकार दिया; ... और किसी वस्तु से तुम्हें कुछ हानि न होगी।
यदि कोई व्यक्ति मेरे वचन पर चलेगा, तो वह अनन्त काल तक मृत्यु को न देखेगा।

9. 440 : 33 (प्रमुख)-4

... सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश, एक सौम्य और मौजूद उपस्थिति के साथ, सभी कानून और सबूतों को समझने के लिए, उनकी क़ानून-पुस्तक, बाइबिल से समझाया गया है, कि कोई भी तथाकथित कानून, जो कि असाध्य लेकिन पाप को दंडित करने का कार्य करता है, अशक्त और शून्य है ।

10. 442 : 5-15

आध्यात्मिक इंद्रियों के न्यायालय ने तुरंत फैसले पर सहमति व्यक्त की, और आत्मा के विशाल दर्शकों के कक्ष में गूंजना शुरू हो गया, दोषी नहीं! दोषी नहीं! तब कैदी ने पुनर्जीवित, मजबूत, मुफ्त गुलाब उठाया। हमने देखा, क्योंकि उसने अपने वकील, क्राइस्टियन साइंस के साथ हाथ मिलाया था, जिससे सारी बेचैनी और दुर्बलता गायब हो गई थी। उसका रूप सीधा और आज्ञाकारी था, उसका चेहरा स्वास्थ्य और खुशी से भरा था। दिव्य प्रेम ने डर को दूर कर दिया था। नश्वर आदमी, अब बीमार नहीं है और जेल में है, आगे चला, "उसके पांव क्या ही सुहावने हैं" उसके जैसे "जो शुभ समाचार लाता है."

दैनिक कर्तव्यों

मैरी बेकर एड्डी द्वारा

दैनिक प्रार्थना

प्रत्येक दिन प्रार्थना करने के लिए इस चर्च के प्रत्येक सदस्य का कर्तव्य होगा: "तुम्हारा राज्य आओ;" ईश्वरीय सत्य, जीवन और प्रेम के शासन को मुझमें स्थापित करो, और मुझ पर शासन करो; और तेरा वचन सभी मनुष्यों के स्नेह को समृद्ध कर सकता है, और उन पर शासन करो!

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 4

उद्देश्यों और कृत्यों के लिए एक नियम

न तो दुश्मनी और न ही व्यक्तिगत लगाव मदर चर्च के सदस्यों के उद्देश्यों या कृत्यों को लागू करना चाहिए। विज्ञान में, दिव्य प्रेम ही मनुष्य को नियंत्रित करता है; और एक क्रिश्चियन साइंटिस्ट प्यार की मीठी सुविधाओं को दर्शाता है, पाप में डांटने पर, सच्चा भाईचारा, परोपकार और क्षमा में। इस चर्च के सदस्यों को प्रतिदिन ध्यान रखना चाहिए और प्रार्थना को सभी बुराईयों से दूर करने, भविष्यद्वाणी, न्याय करने, निंदा करने, परामर्श देने, प्रभावित करने या गलत तरीके से प्रभावित होने से बचाने के लिए प्रार्थना करनी चाहिए।

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 1

कर्तव्य के प्रति सतर्कता

इस चर्च के प्रत्येक सदस्य का यह कर्तव्य होगा कि वह प्रतिदिन आक्रामक मानसिक सुझाव से बचाव करे, और भूलकर भी ईश्वर के प्रति अपने कर्तव्य की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए, अपने नेता और मानव जाति के लिए। उनके कामों से उन्हें आंका जाएगा, — और वह उचित या निंदनीय होगा।

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 6